आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

हथकरघा

(स्टोल)

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह बस्तोरी

ग्राम वन विकास समिति ....बस्तोरी
ग्राम पंचायत.. बस्तोरी
वन परिक्षेत्र ....कुल्लू
वनमण्डल...कुल्लू
वनवृत..कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषय -सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	7-8
6	उत्पादन नियोजन	8-9
7	विक्रय तथा विपणन	10
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	11
9	शक्ति, दुर्बलता,अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण**(SWOT Analysis)**	11
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13-14
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	14
13	अनुमान	15
14	उद्यम हेतूलाभ- लागत विश्लेषण	16
15	धन की आवश्यकता	16-17
16	वित्तीय संसाधन	17
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	17
18	लाभ-हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	18
19	ऋण अदायगी नियोजन	18
20	टिप्पणी	19
21	प्रशिक्षण	19
22	अनुलग्नक	20
23	स्वयं सहायता समूह के नियम	21
24	सदस्यों की सूची फोटो	22
25	सहमति पत्र	23

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्ध संस्कृतिके लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरूस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्ध है। कुल्लू ज़िला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव वस्तोरी ग्राम पंचायत वस्तोरी विकास खण्ड़ कुल्लू, तहसील व ज़िला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू ज़िले की घाटियों को भौतिक संरचना के अनुसार तरह-तरह के नाम दिए गऐ हैं, जिनमें एक नाम सारी है। गांव वस्तोरी कुल्लू मुख्यालय से लगभग 15 कि0 मी0 की दूरी पर स्थित है।गांव वस्तोरी में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाईं की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आयमें अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग शॉल पट्टू व टोपी बनाने के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकताहै।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना नें ग्राम वन विकास समिति वस्तोरी के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से ग्राम वन विकास समिति वस्तोरी में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन “नारी शक्ति” स्वयं सहायता समूह व “भूवनेशवरी समान

रूचि स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद "नारी शक्ति" स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय लिया।
इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए तथा इस समूह को "नारी शक्ति" **स्वयं सहायता समूह** का नाम दिया गया।

"नारी शक्ति" **स्वयं सहायता समूह** के साथ हथरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम हिम बुनकर तकनीकी सहायक की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने पटटू शॉल व स्टोल टोपी आदि बनाने का निर्णय लिया विशेषज्ञ श्री जुगत राम से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढ़ौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने "नारी शक्ति" **स्वयं सहायता समूह** को स्टॉल बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रूपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

"नारी शक्ति" **स्वयं सहायता समूहकी आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना** बनाने के लिए श्री शशि शर्मा(Coordinator),भुट्टी वन परिक्षेत्र, कु0 प्रेमला ठाकुर व हथरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम व समूह के प्रधान सचिव, कोषाध्यक्ष ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2 स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	**स्वयं सहायता समूह**समूह का नाम	"नारी शक्ति"
2.2	समान रूची समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 21 पर सलंग्न है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	वस्तोरी
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई	कुल्लू
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	वस्तोरी
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	**स्वयं सहायता समूह** में कुल सदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	सितम्बर 2020
2.11	बैंक खाता संख्या	0274000107185597
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचाालित है	पीएनवी बैंक, कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह की मासिक बचत	100
2.14	कुल बचत	25000
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	

स्वयं सहायता समूह की सूची

क्रं	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमति रीना देवी पत्नी श्री रवि कुमार	प्रधान	31	स्त्री	5वीं	एससी	7876533288
2	श्रीमति उशा पत्नी श्री जोगिन्द्र कुमार	सचिव	30	स्त्री	7वीं	एससी	8894455501
3	श्रीमति मीनु पत्नी श्री प्रकाश चन्द	कोषाध्यक्ष	30	स्त्री	5वीं	एससी	8626821125
4	श्रीमति तारामनी पत्नी तारा चन्द	सदस्य	35	स्त्री	6वीं	एससी	6230505601
5	श्रीमति शालू देवी पत्नी श्री लाल चन्द	सदस्य	32	स्त्री	9वीं	एससी	7807198603
6	श्रीमति कमला देवी पत्नी श्री आत्मा राम	सदस्य	48	स्त्री		एससी	8628995045
7	श्रीमति पींकी देवी पत्नी श्री टिकम राम	सदस्य	23	स्त्री	10वीं	एससी	8628095002
8	श्रीमति रूकमनी पत्नी श्री विजय कुमार	सदस्य	30	स्त्री	10वीं	एससी	7807702866
9	श्रीमति मधुवाला पत्नी श्री संजय चन्द	सदस्य	22	स्त्री	8वीं	एससी	
10	श्रीमति शांन्ता देवी पत्नी श्री मस्त राम	सदस्य	25	स्त्री	9वीं	एससी	7807532798

2 गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 15 कि0मी0 व पैदल 200 मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 10 कि0मी0 व पैदल 200 मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0, भुन्तर 21 कि0मी0, मनाली 40 कि0मी0, शमशी 18 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लवी लिवास पट्टू बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	स्टोल,शॉल पटटु व टोपी
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह/सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां *(सहमति पत्र पृष्ठ नं0 21 पर सलंग्न है)*

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्व प्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा स्टोल शॉल टोपी व पटटू आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगीः-

1. स्टोल का ताना व वाना, वार्पिग मशीन द्वारा लगवाएगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।
2. समूह में 05 सदस्य स्टोल बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह में 05 सदस्य टोपी बनाने का कार्य करेगें।
4. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से है:-

1. <u>स्टोल 2/48 आस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिजाईनों की स्टोल 05 सदस्यों द्वारा तैयार की जाएगी। 01 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 05 दिन में 01 स्टोल तैयार किया जाएगी।

2.टोपी विभिन्न डिजाईनों की टोपी 05 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्यो द्वारा प्रति दिन मे ं4 से 5 घण्टे ं कार्य करने पर 01 दिन मे 10 टोपियां तैयार करेगें।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टें कार्य करेगें)	➢ 30 स्टोल ➢ 1500 टोपी
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	➢ 05 सदस्य स्टोल के लिए ➢ 05 सदस्य टोपी के लिए ➢ **कुल 10 सदस्य**
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू,शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

क्रं0	माह	ताना व वाना *(शॉल स्टोल के लिए)*				कैशमीलोन *(शॉल स्टोल के लिए)*			अपेक्षित उत्पादन की मात्रा	टिप्पणी
		इकाई	मात्रा	दर	धनराशि	मात्रा	दर	धनराशि		
1	अप्रैल	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	स्टोल 42 प्रति चक्र
2	मई	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
3	जून	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
4	जुलाई	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
5	अगस्त	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
6	सितम्बर	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
7	अक्तूबर	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
8	नवम्बर	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
9	दिसम्बर	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
10	जनवरी	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
11	फरवरी	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
12	मार्च	कि0ग्रा0	11.34	1500	17010	1.26	450	567	42	
	कुल		**136.08**		**204120**	**15.12**		**6804**	**504**	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) में स्टोल 42 समूह द्वारा बनाये जाएगें। साल में स्टोल 504 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	10 से 40 कि0मी0
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	• थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजैन्ट 20-25 प्रतिशत सब्सिड़ी • लोकल नैटवर्क में प्रचार • सोशिल मीडिया में प्रचार
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	**वै ग्रुप रे शोभले उत्पाद** **नारी शक्ति ग्रुप रे** **शोभले उत्पाद नारी-शक्ति**
7.11	उत्पाद का नारा-	**शोभला गांव, शोभला कोम,** **रति भर नहीं काण ।** **यह सा नारी-शक्ति टोपी री पहचाण।।**

JICA Project

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- विपणन में अनुभव रखने वाले 02 सदस्य विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेगें।

9. शक्ति, दुर्बलता,अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण(SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- पहले से ही कुछ सदस्य खड्डी का काम करते है।
- समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

- महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
- अन्य(कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यस्थता।

10. सम्भावितचुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	जोखिमकम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यो के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से विक्री कम हो सकती है।	::	गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ–पूंजीगत व्यय

क्र0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
1	04 खड्डी 50 इंच वाली (18000रूपये प्रति खड्डी)	72000
2	03 खड्डी 35 इंच वाली (12000रूपये प्रति खड्डी)	36000
3	05 चरखे व उरी स्टैड़ (1800 रूपये प्रति चरखे व उरी स्टैड)	9000
4	03 जुक्की सिलाई मशीन (35000 रूपये प्रति)	105000
5	03 जुक्की सिलाई मशीन सैट प्रैस, कैची, (3200 रूपये प्रति)	9600
6	01 अलमारी	10000
	कुल पूंजी व्यय	241600

11ब–आवर्ती व्यय(एक चक्र में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	स्टोल				
क	कच्चा माल(ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	11.34	1500	17010
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	1.26	450	567
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(30 स्टोल के लिए)*	संख्या	42	20	840
घ	मजदूरी *(01 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन)30x1x300*	दिन	30	400	12000
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				1000
	कुल*(क+ख+ग+ङ)*				**31417**
	कुल आवर्ती लागत				**19417**

11स-आवर्ती व्यय(एक चक्र में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	टोपी				
1	टबिट पटटी	सेमी0	90	170	15300
2	बूकरम	सेमी0	180	40	7200
3	बुली	सेमी0	90	30	2700
4	पेसटिंग	सेमी0	45	90	4050
5	मगजी	सेमी0	68	30	2040
6	कुल्लबी बॉर्डर	1 पटटी	450	140	63000
7	सुई धागा	संख्या	450	1	450
8	कुल आबर्ती लागत				94740
9	सेवा सुल्क		5%		4737
10	कुल उत्पादन				**99477**
11	लाभ		15%		14921.55
	कुल आवर्ती लागत				**114398.55**

12 अर्थ-व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	114157
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	2585
3	ऋृण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	11500
	योग	**129242**

13 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक स्टोल के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	521
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	156
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**677**
	बाजार भाव	संख्या	1	950
	एक टोपी के लिए			
	उत्पादन की लागत	संख्या	1	273
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	20	47
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**284**
	बाजार भाव	संख्या	1	350

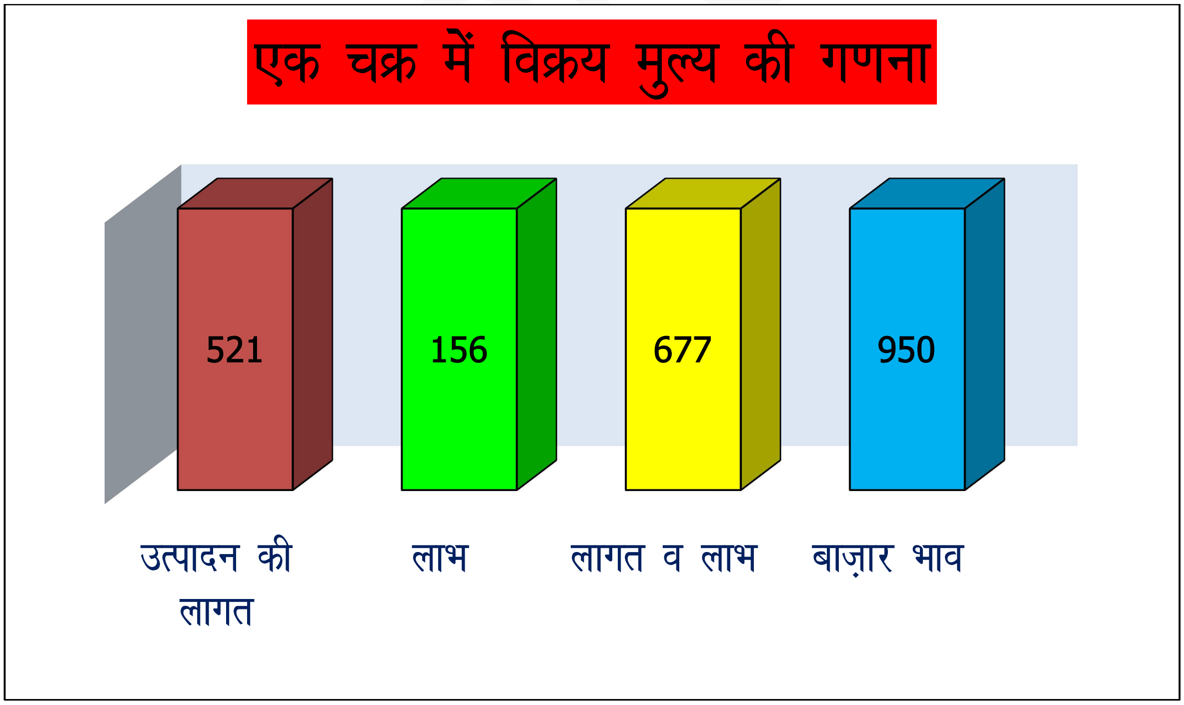

14.उद्यम हेतू लागत-लाभ विश्लेषण(एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक ह्रास (अ)	.	.	.	2416
2	आवर्ती व्यय(ब)			.	
2.1	स्टोल				31417
2.2	टोपी				94740
	योग (ब)				126157
3	कुल उत्पादन (स्टोल)	संख्या	42		
	कुल उत्पादन (टोपी)	संख्या	450		
4	उत्पाद की विक्री (स्टोल)	संख्या	42		
	उत्पाद की विक्री (टोपी)	संख्या	450		
5	उत्पाद की विक्री से आय (स्टोल)	संख्या	42	677	28434
	उत्पाद की विक्री से आय (टोपी)	संख्या	450	284	127800
	योग (स)				156234
6	कुल लाभ =स-(अ+ब 156234-(2416+126157) =128573				27661
7	उत्पाद की विक्री से सकल लाभ (कुल लाभ -आवर्ती				27661
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतू उपलब्ध धनराशि =उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी हेतू वांछित धनराशि + किराया +दूसरे चक्र हेतू आवश्यक आवर्ती व्यय) 27661-(2416+11000=13416)				14245

15. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह को धन की आवश्यकता

क्रं0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	241600	181200	60400	0

2	आवर्ती व्यय	126157	0	0	126157
3	अन्य व्यय	0	0	0	0
	योग	367757	181200	60400	126157
	नोट	समूह को कुल ऋण की आवश्यकता			227000

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेगें अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नही होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नही जोड़ा गया है।

16.समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	181200
2	समूह की आंतरिक बचत	25000
	योग	**206200**

- परियोजना द्वारा 100000/- रूपये राशि बीज कोष के रूप मेंउपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

17. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्रं0	आवयश्यक संसाधन	आवयश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	04 खड्डी 50 इंच वाली	18000	समूह द्वारा सहायता राशि से खड्डी, चरखे व उरी के लिए 25% एडवांस दिया जाए।
2	03 खड्डी 35 इंच वाली	9000	
3	05 चरखे व उरी स्टैड़	2250	
4	03 जुक्की सिलाई मशीन	26250	
	03 जुक्की सिलाई मशीन सैट प्रैस, कैची	2400	
	01 अलमारी	2500	
	कुल	60400	
4	कच्चा माल व किराया	126157	
	कुल योग	186557	

18. लाभ-हानिबिन्दू/स्थिति की गणना

(ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

स्टोलकी सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 46200/1562 96 दिन

इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनसार 296 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

19. ऋण चुकौतीकीअनुसूची

क्रं0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					295000	2458.3333	**297458.33**
2	महीना-2	26041.667	2458.333	28500	**28500**	268958.3	2241.3194	**271199.65**
3	महीना-3	26258.681	2241.319	28500	**28500**	242699.7	2022.4971	**244722.15**
4	महीना-4	26477.503	2022.497	28500	**28500**	216222.1	1801.8512	**218024**
5	महीना-5	26698.149	1801.851	28500	**28500**	189524	1579.3667	**191103.37**
6	महीना-6	26920.633	1579.367	28500	**28500**	162603.4	1355.0281	**163958.4**
7	महीना-7	27144.972	1355.028	28500	**28500**	135458.4	1128.82	**136587.22**
8	महीना-8	27371.18	1128.82	28500	**28500**	108087.2	900.7268	**108987.94**
9	महीना-9	27599.273	900.7268	28500	**28500**	80487.94	670.73286	**81158.675**
10	महीना-10	27829.267	670.7329	28500	**28500**	52658.68	438.8223	**53097.498**
11	महीना-11	28061.178	438.8223	28500	**28500**	24597.5	204.97915	**24802.477**
12	महीना-12	24598.021	204.9791	24803	**24803**	-0.523062	-0.004359	**-0.527421**
		295000.52		**309803**	**309803**			

10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।

समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

20. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 30 नग स्टोल व टोपी 1500 नग तैयार करके विक्रय किए जाएगें इससे प्रत्येक चक्र में औसत 14245/- रूपये की आय सम्भावित है।

21. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 42 से 43 दिन। मास्टर ट्रेनर को 1500/- रूपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1500/- रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर खड्डी	45 दिन	-	1500	67500	1500.00 रूपये /दिन
2	बोर्ड़िग लॉज़िग	45 दिन		150	6750	150 रूपये /दिन
3	मास्टर ट्रेनर टोपी	21 दिन		750	15750	750 रूपये /दिन
4	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	45 दिन	10	1500	15000	1500 रूपये /सदस्य एक बार
5	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	45 दिन	-	100	4500	100 रूप्ये/दिन
6	परिवहन किराया	खड्डी, चरखा उरी	-	-	2000	2000 रूपये एक बार
	कुल				111500	

22 अनुलग्नक

“नारी शक्ति” स्वयं सहायता समूह के सदस्य

"नारी शक्ति" स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : **हथकरघा**
2. समूह का नाम : **"नारी शक्ति" स्वयं सहायता समूह**
3. समूह का पता : **गांव बस्तोरी डा0 भेखली तहसील व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0**
4. समूह के कुल सदस्य : 10
5. समूह की पहली बैठक की तिथि : सितम्वर **2020**
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की **10** तारिख को होगी
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
9. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
10. स्वंय सहायता समूह का खाता **पीएनवी अखाडा कुल्लू** शाखा **कुल्लू** में खोला गया है। खाता संख्या नंबर 0274000107185597 है
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्ध कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
17. अगर सदस्य किसी कारणसमूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नही
18. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशि होनी चाहिए
20. स्वंय सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit)के कार्यालय में देनी होगा।

“नारी शक्ति”स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के छायाचित्र

श्रीमति. रीना देवी
प्रधान

श्रीमति उषा देवी
सचिव

श्रीमति मीनू
कोषाध्यक्ष

श्रीमति मधुवाला
सदस्य

श्रीमति रकमनी
सदस्य

श्रीमति मिंकी देवी
सदस्य

श्रीमति शालू देवी
सदस्य

श्रीमति शांता देवी
सदस्य

श्रीमति कमला देवी
सदस्य

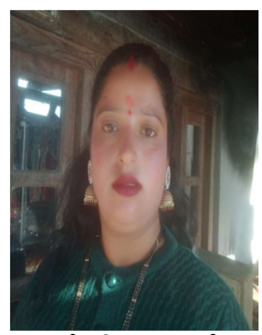
श्रीमति तारामनी
सदस्य

सहमति पत्र

आज दिनांक 10.11.2024 को **नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह बस्तोरी** की बैठक प्रधान श्रीमति रीना देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें में समूह के सभी सदस्यों ने भाग लिया। **नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह बस्तोरी** के सदस्यों द्वारा व क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई कुल्लू के सहयोग से तैयार हथकरघा व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना** *(जाईका द्वारा वित पोषित)* के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ **नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह बस्तोरी** के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्वसहमति से **हथकरघा** (Handloom) का निरन्तर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

Reena Devi
प्रधान
Usha
सचिव
नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह
ग्राम वन विकास समीति
बस्तोरी

प्रधान
ग्राम वन विकास
समिति बस्तोरी

अनुमोदन

आज दिनांक 23/12/24.. को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डल अधिकारी कुल्लू द्वारा **नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह बस्तोरी** की **हथकरघा** (Handloom) की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

[illegible] cum DPO Kullu,
[illegible] Forest Division Ku[illegible]